मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

BHDE–144

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(सामान्य)/बी. ए. (ऑनर्स)

हिन्दी

(बी. ए. जी./बी. ए. एच. डी. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एच.डी.ई.-144 : छायावाद

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **पहला** प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) घिर जातीं प्रलय घटाएँ

कुटिया पर आकर मेरी;

तम–चूर्ण बरस जाता था

छा जाती अधिक अँधेरी।

बिजली माला पहने फिर

मुसक्याता था, आँगन में;

हाँ, कौन बरसा जाता था

रस बूँद हमारे मन में ?

(ख) 'सवा–सवा लाख पर

एक को चढ़ाऊँगा

गोविन्द सिंह निज

नाम तब कहाऊँगा।'

किसने सुनाया यह

वीर–जन–मोहन अति

दुर्जय संग्राम–राग,

फाग का खेला रण

बारहों महीने में ?

शेरों की माँद में,

आया है आज स्यार

जागो फिर एक बार !

(ग) कोयल का वह कोमल बोल,

मधुकर की वीणा अनमोल,

कह, तब तेरे ही प्रिय स्वर से कैसे भर लूँ

सजनि, श्रवन ?

भूल अभी से इस जग को !

(घ) नाश हूँ मैं अनन्त विकास का क्रम भी,

त्याग का दिन भी चरम आसक्ति का तम भी,

तार भी, आघात भी झंकार की गति भी

पात्र भी मधु भी मधुप भी मधुर विस्मृत भी

अधर भी हूँ और स्मित की चाँदनी भी हूँ!

(ङ) वे सब डूबे, डूबा उनका विभव, बन गया पारावार

उमड़ रहा था देव-सुखों पर, दुख-जलधि का नाद अपार।

वह उन्मुक्त विलास हुआ क्या, स्वप्न रहा था छलना थी

देव सृष्टि की सुख-विभावरी, ताराओं की कलना थी।

2. छायावाद की विशेषताएँ बताइए। 16

3. जयशंकर प्रसाद की प्रेम-व्यंजना और सौन्दर्य-चेतना पर प्रकाश डालिए। 16

4. निराला की कविताओं के रचना-विधान के विभिन्न पक्षों को रेखांकित कीजिए। 16

5. पंत के काव्य शिल्प पर प्रकाश डालिए। 16

6. महादेवी वर्मा की काव्य-भाषा और विम्ब-योजना पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 16

7. 'बाँधो न नाव इस ठाँव, बंधु' कविता का विवेचन–विश्लेषण कीजिए। 16

8. 'भारतमाता' कविता का विश्लेषण करते हुए उसका महत्व भी बताइए। 16

9. 'जाग तुझको दूर जाना' कविता का विवेचन करते हुए महादेवी जी का मंतव्य स्पष्ट कीजिए। 16

× × × × ×